Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Dr. B. R. Ambedkar Centre for Excellence inaugurated at CUH

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 02-10-2022**

डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का सांसद सुनीता दुग्गल ने किया उद्घाटन

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डेस) का उद्घाटन शनिवार को सिरसा से माननीय सांसद श्रीमती सुनीता दुग्गल ने किया। विश्वविद्यालय में स्थापित इस केंद्र की शुरूआत के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री इरा सिंघल उपायुक्त राजस्व विभाग, नई दिल्ली भी उपस्थित रही।

इस अवसर पर श्रीमती सुनीता दुग्गल ने इस केंद्र की शुरूआत को अहम बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से अब उन अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए यूपीएससी की राह आसान होगी जोकि कोचिंग के आभाव के चलते सफलता हासिल नहीं कर पा रहे थे। विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की उद्घाटन के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों प्राप्ति सुनिश्चित की जाएगी और हमारे लिए यह गर्व की बात है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा राज्य में इस केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी हमारे विश्वविद्यालय को सौंपी गई है। विश्वविद्यालय में इस केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर श्रीमती सुनीता दुग्गल ने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं। उन्होंने इस केंद्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को कहा कि उनका पद इस तरह का पद है जिस पर रहकर जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों का हर दिन सामना करना होता है। इसलिए उन्हें हर क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए। इस मौके पर श्रीमती दुग्गल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हीं के प्रयासों से आज भारत का संविधान उपलब्ध है और उसके अंतर्गत हमें मतदान अधिकार मिल रहा है। उन्होंने इस केंद्र की परिकल्पना का भी उल्लेख किया और कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आखिरी पायदान पर खड़े वंचित वर्ग के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए डेस की स्थापना भी ऐसा ही एक प्रत्यक्ष प्रमाण है। इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि सुश्री इरा सिंघल ने भी अपने संबोधन में यूपीएससी की परीक्षा और उससे जुड़े विषय पर प्रकाश डालते हुए कोचिंग का महत्व बताया। इरा सिंघल ने बताया कि देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए तैयारी भी खूब मेहनत से करनी होती है ऐसे में अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से विद्यार्थी लाभांवित होंगे। विश्वविद्यालय में आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से यूपीएससी की परीक्षा में अनुसूचित जाति के युवाओं की सफलता के ग्राफ में बढ़ोत्तरी का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत और सही ढंग से तैयारी की भूमिका अहम होती है और यह केंद्र भी इसी के लिए प्रयासरत रहेगा। डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार बताया कि इस केंद्र में दाखिले के लिए 200 से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से परीक्षा परीक्षा के बाद 89 ने दाखिला लिया। जिनकी कक्षाएं 3 अक्टूबर से शुरू हो रही हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रविंद्र, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. सुमित, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. विकास कुमार, डॉ. बिनय कुमार रे, डॉ. रवि कुमार, निशान सिंह, सुनील अग्रवाल व विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी व इस केंद्र में पंजीकृत हुए परीक्षार्थी भी उपस्थित रहे।

हकेवि आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती सुनीता दुग्गल को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 02-10-2022**

हकेवि में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी की तैयारी के लिए राह हुई आसान

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डेस) का उद्घाटन शनिवार को सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल ने किया। विश्वविद्यालय में स्थापित इस केंद्र की शुरूआत के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में इरा सिंघल उपायुक्त राजस्व विभाग, नई दिल्ली भी उपस्थित रही। सुनीता दुग्गल ने इस केंद्र की शुरूआत को अहम बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से अब उन अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए यूपीएससी की राह आसान होगी जोकि कोचिंग के अभाव के चलते सफलता हासिल नहीं कर पा रहे थे। विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की उद्घाटन के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। विश्वविद्यालय में इस केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सुनीता दुग्गल ने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं। उन्होंने इस केंद्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को कहा कि उनका पद इस तरह का पद है जिस पर रहकर जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों का हर दिन सामना करना होता है। इसलिए उन्हें हर क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए।

इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि इरा सिंघल ने भी अपने संबोधन में यूपीएससी की परीक्षा और उससे जुड़े विषय पर प्रकाश डालते हुए कोचिंग का महत्व बताया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत और सही ढ़ंग से तैयारी की भूमिका अहम होती है और यह केंद्र भी इसी के लिए प्रयासरत रहेगा। डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार बताया कि इस केंद्र में दाखिले के लिए 200 से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से परीक्षा परीक्षा के बाद 89 ने दाखिला लिया। जिनकी कक्षाएं 3 अक्टूबर से शुरू हो रही हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रविंद्र, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. सुमित, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. विकास कुमार, डॉ. बिनय कुमार रे, डॉ. रवि कुमार, निशान सिंह, सुनील अग्रवाल व विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी, शोद्यार्थी व इस केंद्र में पंजीकृत हुए परीक्षार्थी भी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 02-10-2022**

डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का शुभारम्भ

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए यू.पी.एस.सी. की राह हुई आसान

■ आई.ए.एस. इरा सिंघल ने भी आयोजन की शोभा बढ़ाई

महेंद्रगढ़, 1 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यू.पी.एस.सी.) की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन शनिवार को सिरसा से सांसद सुनीता दुग्गल ने किया।

विश्वविद्यालय में स्थापित इस केंद्र की शुरूआत के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में इरा सिंघल उपायुक्त राजस्व विभाग, नई दिल्ली भी उपस्थित रही। इस अवसर पर सुनीता दुग्गल ने इस केंद्र की शुरूआत को अहम बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से अब उन अनुसूचित जाति के युवाओं के लिए यूपीएससी की राह आसान होगी जोकि कोचिंग के अभाव के चलते सफलता हासिल नहीं कर पा रहे थे।

कार्यक्रम में सुनीता दुग्गल को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाएगी और हमारे लिए यह गर्व की बात है कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा राज्य में इस केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी हमारे विश्वविद्यालय को सौंपी गई है।

प्रतिभागी अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं : सुनीता दुग्गल

विश्वविद्यालय में इस केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सुनीता दुग्गल ने प्रतिभागियों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं। उन्होंने इस केंद्र में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को कहा कि उनका पद इस तरह का पद है जिस पर रहकर जमीनी स्तर पर आने वाली चुनौतियों का हर दिन सामना करना होता है, इसलिए उन्हें हर क्षेत्र की जानकारी होनी चाहिए। इस मौके पर दुग्गल ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हीं के प्रयासों से आज भारत का संविधान उपलब्ध है और उसके अंतर्गत हमें मतदान का अधिकार मिला है।

उन्होंने इस केंद्र की परिकल्पना का भी उल्लेख किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निरंतर आखिरी पायदान पर खड़े वंचित वर्ग के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए डेस की स्थापना भी ऐसा ही एक प्रत्यक्ष प्रमाण है।

उन्होंने इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व की भी सराहना की और कहा कि अवश्य ही यह केंद्र देश को कई प्रतिभावान प्रशासनिक सेवक उपलब्ध कराएगा। इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि इरा सिंघल ने अपने संबोधन में यू.पी.एस.सी. की परीक्षा और उससे जुड़े विषय पर प्रकाश डालते हुए कोचिंग का महत्व बताया।

उन्होंने बताया कि देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा परीक्षा के लिए तैयारी भी खूब मेहनत से करनी होती है, ऐसे में अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से विद्यार्थी लाभांवित होंगे।

परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत और सही ढंग से तैयारी की भूमिका अहम

विश्वविद्यालय में आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी गण्यमान्य अतिथियों का स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि अवश्य ही इस केंद्र के माध्यम से यू.पी.एस.सी. की परीक्षा में अनुसूचित जाति के युवाओं की सफलता के ग्राफ में बढ़ौतरी का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा।

किसी भी परीक्षा में सफलता के लिए मेहनत और सही ढंग से तैयारी की भूमिका अहम होती है और यह केंद्र भी इसी के लिए प्रयासरत रहेगा। डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक डॉ. अंतरेश कुमार बताया कि इस केंद्र में दाखिले के लिए 200 से अधिक आवेदन आए थे, जिसमें से परीक्षा के बाद 89 ने दाखिला लिया। जिनकी कक्षाएं 3 अक्तूबर से शुरू हो रही हैं।

इस आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, सैंटर फोर इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. पायल चंदेल, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. रविंद्र, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. सुमित, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. विकास कुमार, डॉ. विनय कुमार रे आदि उपस्थित रहे।